pan>

title: Need to strenghten education system in Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : सभापति महोदय, प्राचीन समय से बिहार ज्ञान एवं विज्ञान का केन्द्र रहा है। जहां दुनिया भर के देशों से लोग नालंदा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय, भागलपुर आया करते थे। किन्तु आज वहां की शिक्षा व्यवस्था अत्यन्त ही दयनीय हो गयी है। बिहार के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में संविदा पर नियुक्त हजारों शिक्षक महीनों से राज्यव्यापी हड़ताल पर चले गए हैं। उनका समर्थन अस्थायी शिक्षक भी कर रहे हैं, जिससे विद्यालयो में लाखों छात्र-छात्राओं का पठन-पाठन ठप्प है एवं उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर संवेदनहीन बनी हुई है। संविदा शिक्षकों को मात्र पांच से सात हजार रुपये मासिक वेतन प्राप्त होता है। साथ ही शिक्षकों द्वारा वेतनमान के निर्धारण को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा है। सरकार उनकी समुचित समस्याओं का समाधान न कर, उन पर लाठियां बरसाते हुए दुर्भावनापूर्ण व्यवहार कर रही है। दैनिक मजदूर के समकक्ष उन्हें पारिश्रमिक दिया जाता है। बिहार की शिक्षा व्यवस्था पूर्णतः चरमरा गयी है एवं शिक्षा का स्तर बहुत गिर गया है। अतः केन्द्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय अविलम्ब हस्तक्षेप कर संविदा पर कार्यरत शिक्षकों को न्याय दिलाने की दिशा में पहल करने का कष्ट करे, जिससे बिहार की शिक्षा व्यवस्था बहाल हो। साथ ही विक्रमशिला विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान करे जिससे बिहार गौरवमय रूप से आगे बढ़ता रहे।